'सन्सार', 'सन्मेलन' जैसे शब्द शुद्ध नहीं हैं क्यों? अनुस्वार के प्रयोग Use of Anuswar

हिन्दी भाषा में कुछ शब्द - जैसे **सन्सार, सन्मेलन, अन्श, अन्स,आसंन, सन्मति,जंम/ जम्म, समंवय, सामांय, कंया** शब्द अशुद्ध है। इन्हें शुद्ध रूप में इस तरह लिखा जाता है- **संसार, सम्मेलन, अंश, अंस, आसन्न, सम्मति, जन्म, समन्वय, सामान्य, कन्या।**

अनुस्वार के प्रयोग के नियम हैं- इनमें से संक्षेप में कुछ नियमों के बारे में जान लेते हैं।

नियम- यदि किसी शब्द पर अनुस्वार का प्रयोग हुआ हो तो अनुस्वार के बदले में पंचम वर्ण (**ङ्,ञ्,ण्,न्,म्** - आधे वर्ण) का प्रयोग होता है।

★ **य,र,ल,व,श,ष,स,ह** ऊष्म व्यंजन हैं एवं **क्ष,ज्ञ,त्र,श्र** संयुक्त व्यंजन हैं।

(1) यदि **'य'** एवं **'व'** व्यंजन के पूर्व केवल **'न्'** का ही प्रयोग होता है।

उदाहरण :- **समन्वय, अन्वय, सामान्य, कन्या, अन्य** आदि।

(2) **'स'** एवं **'श'** में केवल अनुस्वार का ही

प्रयोग होता है।

उदाहरण :-**अंश, संशय, अंस।**

(3) **'ट'** वर्ग में **'ण'**, **'त'** वर्ग में **'न'** एवं **'प'** वर्ग में **'म'** के पूर्व अनुस्वार नहीं लगता।

उदाहरण:- **अक्षुण्ण, सम्मेलन, आसन्न, सम्मति** आदि।

(4) कुछ शब्दों में **'म'** के पूर्व अपवाद स्वरूप **'न्'** का प्रयोग होता है।

आजन्म, जन्म, चिन्मय आदि।